भारत के तीन मुद्रास्फीति संकेतक: घरेलू खर्च, उत्पादक लागत और मांग को साथ कैसे पढ़ें?

खबरों में क्यों

जून 2026 के आँकड़ों ने खुदरा और थोक महँगाई बढ़ने का संकेत दिया। 13 जुलाई की आधिकारिक CPI विज्ञप्ति में संयुक्त उपभोक्ता मुद्रास्फीति **4.38% (अनंतिम)**, मई में 3.93% थी। 14 जुलाई की WPI विज्ञप्ति में थोक मुद्रास्फीति **9.87% (अनंतिम)**, मई में 9.68% बताई गई [प्राथमिक]। The Indian Express ने CPI, WPI और Output PPI को साथ पढ़कर मांग, लागत और लाभ-मार्जिन की अलग तस्वीर समझाई [प्रेस-विश्लेषण]।

तीन सूचकांक, तीन दृष्टियाँ

- **CPI:** परिवारों द्वारा खरीदी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के उपभोक्ता मूल्य की तस्वीर; जून की विज्ञप्ति का आधार वर्ष 2024 है [प्राथमिक]।
- **WPI:** वस्तुओं के थोक मूल्य का संकेतक; जून की नई शृंखला का आधार 2022-23 है [प्राथमिक]।
- **Output PPI:** उत्पादक को मिलने वाले मूल्य का संकेत। IE ने इसे फैक्टरी-गेट पर शुद्ध उत्पाद-कर हटाकर प्राप्त मूल्य के रूप में समझाया। आधिकारिक जून विज्ञप्ति में इसका अखिल-वस्तु सूचकांक 109.9, मई में 109.6 था [प्राथमिक/प्रेस]।

109.9 सूचकांक का स्तर है, 109.9% मुद्रास्फीति नहीं। अलग टोकरी, भार और मूल्य-स्तर के कारण CPI तथा WPI दरों का अंतर अपने-आप दुकानदारों का लाभ-मार्जिन नहीं बताता [प्रेस-विश्लेषण]।

हेडलाइन बढ़े, फिर भी मांग कमजोर कैसे?

IE ने जून में हेडलाइन CPI बढ़ने के बावजूद खाद्य और ईंधन को हटाने वाली सामान्य core inflation 3.9% पर स्थिर बताई। उसके हवाले से अर्थशास्त्रियों ने निवेश-आधारित क्षमता-वृद्धि के मुकाबले उपभोग मांग की अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि का तर्क दिया [प्रेस-विश्लेषण]। यह विश्लेषकों की व्याख्या है, केवल एक मुद्रास्फीति-दर से मांग का निर्णायक प्रमाण नहीं। खाद्य या ईंधन की आपूर्ति-समस्या कीमतें बढ़ा सकती है, भले ही विवेकाधीन खर्च तेज न हो [प्रेस-विश्लेषण]।

इनपुट लागत बनाम उत्पादक को मिलने वाला मूल्य

IE के अनुसार जून में विनिर्माण का Output PPI मई से 0.3% घटा, जबकि प्रयोगात्मक Input PPI 2.1% बढ़ा [प्रेस]। ये **माह-दर-माह बदलाव** हैं, ऊपर दी गई CPI/WPI की वर्ष-दर-वर्ष दरें नहीं। यदि लागत बढ़े पर कंपनियाँ बिक्री-मूल्य न बढ़ा सकें, तो मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है। लेकिन सूचकांकों का अंतर हर कंपनी के वास्तविक लाभ का समान अनुमान नहीं है [प्रेस-विश्लेषण]।

चीन से कीमतों का प्रभाव

IE ने ANZ अर्थशास्त्रियों के हवाले से कहा कि चीन के उत्पादक मूल्यों की कमजोरी और भारत की आपूर्ति-शृंखला निर्भरता कुछ गैर-खाद्य, गैर-ईंधन वस्तुओं की कीमतों पर दबाव घटा सकती है [प्रेस-विश्लेषण]। कम आयात-मूल्य उपभोक्ता और आयातक को राहत दे सकता है, पर घरेलू उत्पादक की प्रतिस्पर्धा कठिन भी बना सकता है। इसलिए 'कम core inflation' को बिना उत्पादन, आयात और मांग के संदर्भ के केवल अच्छी या बुरी खबर कहना अधूरा है [प्रेस-विश्लेषण]।

परीक्षा में सावधानियाँ

- सूचकांक का स्तर, वर्ष-दर-वर्ष मुद्रास्फीति और माह-दर-माह बदलाव अलग रखें [प्रेस-विश्लेषण]।
- प्रयोगात्मक Input PPI तथा Output PPI की भूमिका अलग है; खुदरा मूल्य पर लागत का पूरा हस्तांतरण मानकर न चलें [प्रेस-विश्लेषण]।
- अनंतिम जून आँकड़े और बाद के संशोधित आँकड़े अलग समय के संस्करण हैं। यहाँ जुलाई में प्रकाशित जून के आँकड़े दिए गए हैं, आज की महँगाई नहीं [प्राथमिक/प्रेस-विश्लेषण]।

GS-3: मुद्रास्फीति, मांग-आपूर्ति, उत्पादन और मौद्रिक नीति। केंद्रीय सीख: कोई एक सूचकांक पूरी अर्थव्यवस्था की कहानी नहीं कहता [प्रेस-विश्लेषण]।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"CPI, WPI और उत्पादक-मूल्य सूचकांक (PPI) जैसे मूल्य-सूचकांक एक-दूसरे से कैसे भिन्न हैं? मुद्रास्फीति-मापन और नीति-निर्माण में इनकी सापेक्ष उपयोगिता की चर्चा कीजिए।" (सामान्य अध्ययन-III; 250 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: जून 2026 के आँकड़ों से शुरुआत करें — CPI 4.38% (अनंतिम, मई में 3.93%) और WPI 9.87% (अनंतिम, मई में 9.68%) — और बताएँ कि CPI, WPI और Output PPI मूल्य-स्तर के तीन अलग दृष्टिकोण हैं।

मुख्य भाग में: तीनों की परिभाषा और अंतर समझाएँ — CPI परिवारों द्वारा खरीदी गई वस्तुओं-सेवाओं के उपभोक्ता मूल्य (आधार वर्ष 2024), WPI वस्तुओं के थोक मूल्य (नई शृंखला, आधार 2022-23), Output PPI उत्पादक को मिलने वाला मूल्य (फैक्टरी-गेट पर शुद्ध उत्पाद-कर हटाकर)। सावधानी रखें — 109.9 सूचकांक का स्तर है, 109.9% मुद्रास्फीति नहीं; सूचकांक-स्तर, वर्ष-दर-वर्ष दर और माह-दर-माह बदलाव अलग रखें (जून में विनिर्माण Output PPI में 0.3% गिरावट और प्रयोगात्मक Input PPI में 2.1% बढ़त माह-दर-माह हैं); CPI-WPI दरों का अंतर अपने-आप लाभ-मार्जिन नहीं बताता। उपयोगिता की चर्चा में रखें — core inflation 3.9% पर स्थिर रहने पर मांग के बारे में अर्थशास्त्रियों की व्याख्या (मुद्रास्फीति-दर से मांग का निर्णायक प्रमाण नहीं), इनपुट लागत बढ़ने पर मार्जिन दबाव की संभावना (हर कंपनी के लाभ का समान अनुमान नहीं), चीन के उत्पादक मूल्यों की कमजोरी और आपूर्ति-शृंखला निर्भरता का असर (ANZ अर्थशास्त्रियों के हवाले से)। अनंतिम आँकड़े और संशोधित संस्करण का अंतर बताएँ।

निष्कर्ष में: निष्कर्ष दें कि कोई एक सूचकांक पूरी अर्थव्यवस्था की कहानी नहीं कहता; नीति-निर्माण में टोकरी, भार और मूल्य-स्तर के अंतर को ध्यान में रखकर तीनों को साथ पढ़ने की सलाह दें।

स्रोत

- [प्राथमिक] PIB/MoSPI, जून 2026 CPI, 13 जुलाई 2026 — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2284125&lang=1&reg=48
- [प्राथमिक] PIB/DPIIT, जून 2026 WPI तथा Output PPI, 14 जुलाई 2026 — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2284374&lang=1&reg=48
- [प्रेस/प्रेस-विश्लेषण] The Indian Express, Siddharth Upasani, पहली बार 17 जुलाई, 19 जुलाई 2026 का अद्यतन — https://indianexpress.com/article/explained/explained-economics/indias-3-inflations-offer-clues-on-consumption-profits-dependence-on-china-10790442/ — Core, प्रयोगात्मक input और चीन संबंधी व्याख्याएँ इस रिपोर्ट से हैं; अलग मूल analyst notes सत्यापित नहीं हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: CPI: परिवारों द्वारा खरीदी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के उपभोक्ता मूल्य की तस्वीर; जून की विज्ञप्ति का आधार वर्ष 2024 है।

प्रश्न: CPI और WPI किन मूल्यों को मापते हैं?

CPI: परिवारों द्वारा खरीदी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के उपभोक्ता मूल्य की तस्वीर; जून की विज्ञप्ति का आधार वर्ष 2024 है। WPI: वस्तुओं के थोक मूल्य का संकेतक; जून की नई शृंखला का आधार 2022-23 है।

प्रश्न: हेडलाइन महँगाई बढ़ने पर भी मांग कमजोर कैसे रह सकती है?

IE ने जून में हेडलाइन CPI बढ़ने के बावजूद खाद्य और ईंधन को हटाने वाली सामान्य core inflation 3.9% पर स्थिर बताई। उसके हवाले से अर्थशास्त्रियों ने निवेश-आधारित क्षमता-वृद्धि के मुकाबले उपभोग मांग की अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि का तर्क दिया।

प्रश्न: इनपुट और आउटपुट PPI के बदलावों को कैसे पढ़ना चाहिए?

IE के अनुसार जून में विनिर्माण का Output PPI मई से 0.3% घटा, जबकि प्रयोगात्मक Input PPI 2.1% बढ़ा। ये माह-दर-माह बदलाव हैं, ऊपर दी गई CPI/WPI की वर्ष-दर-वर्ष दरें नहीं।